SHRI ASOKA MEHTA : It is very difficult to understand the idea of the question. Is it that if an area is declared as a Scheduled Area then alone it shall be developed ? There are certain norms and there are different schemes. Take Chanda district. It is treated as an area for special development. Some other district may be treated in some other way. There are a number of schemes and all schemes are not applied to the same place. As far as Ladakh is concerned, I have made it very clear that a special development programme has been taken up and will be carried forward and I will pursue it further. It cannot be that every scheme must be applied to every district and that if it is not applied we are neglecting it.

श्री प्रकाशवीर शास्त्री : लद्दाख को आर्थिक दृष्टि से पिछड़ा क्षेत्र घोषित करने के सम्बन्ध में अभी आपने कहा कि संविधान की दो धारायें बाधक हैं । मैं समझता हूँ कि समाज कल्याण मंत्री शायद इस का अधिकारपूर्ण उत्तर इस लिये नहीं दे पा रहे हैं, क्योंकि गृह मंत्री और उप प्रधान मंत्री दोनों यहां सदन में उपस्थित हैं । मैं उन्हीं से पूछना चाहता हूँ कि जब बार बार इस सदन में यह घोषणा हो चुकी है कि संविधान की धारा 370 काफ़ी हद तक घिस चुकी है और भी बाकी घिसते-घिसते घिस रही है । मैं जानना चाहता हूँ कि आखिर अन्तिम रूप से कौन सी तिथि वह आयेगी, जब कि यह धारा, जम्मू काश्मीर सम्बन्धी, समाप्त हो जायगी, इस के सम्बन्ध में सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

SHRI BAL RAJ MADHOK : Let the Home Minister give an answer.

SHRI ASOKA MEHTA : I am concerned only with whether a particular area should be declared as Scheduled Area. I have said that it cannot be done. But because of that Ladakh is not suffering and will not be permitted to suffer. There will be no disablility or disadvantage. I will give that assurance.

श्री प्रकाश वीर शास्त्री : अध्यक्ष महोदय, आपने मेरा प्रश्न सुना है । माननीय उप प्रधान मन्त्री और माननीय गृह मन्त्री मौजूद हैं, उनसे इसका सीधा सम्बन्ध है । मैं बार बार कह चुका हूँ कि 370 धारा काफी घिस चुकी है । इस प्रश्न को टाला क्यों जा रहा है । इसका उत्तर स्पष्ट भाषा में आना चाहिये ।

MR. SPEAKER : That is all right. The concerned Minister has answered. I am not prepared to ask all the Ministers to answer.

श्री मोलहू प्रसाद : संविधान में 22 बार संशोधन किया गया जा चुका है । क्या समाज कल्याण के हित में आप एक बार और संशोधन नहीं कर सकते हैं ?

SHRIMATI TARKESHWARI SINHA: I would like to know whether any relative evaluation is made from time to time of the *per capita* expenditure of those regions which are hilly and Himalayan and how the *per capita* expenditure incurred in Ladakh compares with the *per capita* expenditure incurred in the hilly regions and what is the difference between the *per capita* incomes of other hilly regions like Nagaland and Mizoland and Ladakh.

SHRI ASOKA MEHTA : The Planning Commission will be able to give that answer. I have not got the figures.

SHORT NOTICE QUESTION

बिहार में डेहरी-ऑन-सोन-गोमो तथा बरौनी-सुपौल (मीटर गेज लाइन) सैक्शनों के बीच बिना टिकट यात्रा

+

S.N.Q. 27. **श्री मोलहू प्रसाद :**
श्री वेणी शंकर शर्मा :
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री हुकम चन्द कछवाय :

क्या रेलवे मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि बिहार राज्य में डेहरी ऑन-सोन तथा गोमो (बड़ी लाइन) और बरौनी तथा सुपौल (मीटर गेज लाइन) सेक्शनों के बीच चलने वाली गाड़ियों में बहुत बड़ी संख्या में लोग बिना टिकट यात्रा करते हैं;

(ख) क्या यह भी सच है कि उस क्षेत्र के गुंडे लोग हर एक रेल गाड़ी में यात्रा करते हैं और बाहर के यात्रियों का सामान लूटते हैं, औरतों से छेड़-छाड़ करते हैं और मार-पिटाई करते हैं;

(ग) क्या यह भी सच है कि सरकार द्वारा कोई कार्यवाही न किये जाने के कारण इन गुंडों की इस इलाके में पूरी धाक है और रेलवे कर्मचारी डर के कारण उनके साथ सांठ-गांठ से काम करते हैं, जिसके परिणामस्वरूप इस प्रकार की बहुत घटनाएं होती हैं; और

(घ) यदि हां, तो इस सम्बन्ध में सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

रेलवे मन्त्रालय में उप-मंत्री (श्री रोहन लाल चतुर्वेदी) : (क) टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा टिकटों की जांच के दौरान डेहरी-आन-सोन और गोमो तथा बरौनी और सुपौल खंडों के बीच कुछ लोग बिना टिकट सफर करते हुए पाये गये हैं।

(ख) और (ग). इस क्षेत्र में तथा अन्य स्थानों पर जांच कर्मचारियों और दूसरे लोगों पर हमला करने की घटनाएं बढ़ रही हैं। जहां तक इन खण्डों पर यात्रियों और दूसरे लोगों पर हमला करने का सवाल है, 1966 और 1968 में बिहार की सरकारी रेलवे पुलिस को इस सम्बन्ध में कोई रिपोर्ट नहीं मिली। लेकिन, 1967 में पूर्व रेलवे के डेहरी-आन-सोन-गोमो खंड पर एक मामले की रिपोर्ट मिली थी जिसमें 31-7-67 को गुरारु और रफीगंज स्टेशनों के बीच एक यात्री का सामान लूट लिया गया। 1-8-67 को गया की सरकारी रेलवे पुलिस ने इस मामले को भारतीय दंड संहिता की धारा 392 के अन्तर्गत दर्ज किया।

(घ) रेल परिसरों और रेल गाड़ियों में कानून और व्यवस्था बनाये रखने की जिम्मेदारी सम्बन्धित राज्य सरकार की है। चूंकि कानून और व्यवस्था का प्रश्न रेलों के लिए भी एक अत्यन्त महत्वपूर्ण प्रश्न है, इसलिए जब कभी आवश्यकता पड़ती है, राज्य पुलिस को रेलवे सुरक्षा दल की मदद दी जाती है। जहां कहीं आवश्यकता समझी जाती है, प्रभावित खण्डों पर यात्रियों की संरक्षा के उद्देश्य से गाड़ियों में पहरा देने के लिए सशस्त्र पुलिस और रेलवे सुरक्षा दल के कर्मचारी तैनात किये जाते हैं। बिना टिकट यात्रा की बुराई को रोकने के लिए टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा बार-बार टिकटों की जांच की जाती है। इसके अतिरिक्त सरकारी रेलवे पुलिस तथा रेलवे मजिस्ट्रेटों की सहायता से टिकटों की अचानक जांच भी की जाती है।

श्री मोलहू प्रसाद : अध्यक्ष महोदय, यह जो डेहरी-आन-सोन तथा गोमो (बड़ी लाइन) और बरौनी तथा सुपौल में गाड़ियां चलती हैं उनमें अधिकांश में बत्ती नहीं रहती है और न जंजीर ही रहती है और यदि कोई अप्रिय घटना हो जाती है तो जंजीर न होने की वजह से यात्रियों को बड़ी असुविधा होती है तो मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में सरकार क्या व्यवस्था करने जा रही है ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : ऐसी शिकायतें मिली हैं और इनको दूर करने का पूरा प्रयत्न किया जायेगा।

श्री मोलहू प्रसाद : रेलवे सुरक्षा के कर्मचारी और टिकट चेकर जो हैं – काफी स्टेशनों पर टिकट न बटने पावें इसके लिये वे मिल-जुल कर साठ-गांठ करते हैं और रुपया कमाते हैं, मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस बात की भी छान-बीन मन्त्री महोदय ने की है ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी ; ऐसी कोई खास खबर तो नहीं है लेकिन जैसा माननीय सदस्य ने कहा, हम लोग भी जानते हैं कि यह चीज बढ़ती जा रही है और इसको रोकने का हम पूरा प्रयत्न कर रहे हैं।

श्री बेणी शंकर शर्मा : क्या माननीय मन्त्री जी जानते हैं कि इस सदन के हमारे माननीय

सदस्य, श्री कछवाय जब बिहार में सुपौल जा रहे थे तो 8 अप्रैल, 1967 को उन पर छुरा दिखाकर हमला करने और उनका माल असबाब छीनने की कोशिश की गई। उन्होंने पुलिस में रिपोर्ट तो दर्ज कराई ही आपको भी उसकी सूचना दी, मैं माननीय मन्त्री जी से पूछना चाहता हूँ उस सम्बन्ध में आपने क्या कार्यवाही की ?

मेरा दूसरा प्रश्न यह है कि जहां तक बिना टिकट यात्रा का सम्बन्ध है, भागलपुर-मंडार हिल लाइन पर टिकट बसूली स्टाफ काम कर रहा है। रेलवे के कुछ स्टाफ के सदस्य तथा कुछ अवांछनीय तत्व मिलकर सिर्फ आधे टिकट के दाम ले कर समूची गाड़ी की गाड़ी बिना टिकट के पार कर देते हैं, इस के सम्बन्ध में रेलवे मन्त्रालय को भी मैंने लिखा था। मैं जानना चाहता हूं कि इस सम्बन्ध में क्या कार्यवाही की गई है ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : पहले प्रश्न के सम्बन्ध में मैं यह निवेदन करना चाहता हूँ कि 66, 67 और 68 में 5 केसेज रेलवे पुलिस में रजिस्टर किये गये जिसमें एक रिपोर्ट माननीय सदस्य, श्री हुकम चन्द कछवाय की भी थी। हमें खेद है कि आपको ऐसी परिस्थिति का सामना करना पड़ा लेकिन परिस्थिति के सम्बन्ध में मुझे यह निवेदन करना है—जहां तक मुझे जानकारी है कुछ स्टुडेन्ट्स उस कम्पार्टमेन्ट में घुस आये, उनमें से कुछ ने गाली गलौज भी की और जब हमारे स्टाफ ने चेकिंग करने की कोशिश की तो वे राजौर स्टेशन पर गाली देते हुये उतर गये। बहरहाल इस सम्बन्ध में जांच की जा रही है, माननीय सदस्य की जो शिकायत है उसके सम्बन्ध में हम पूरी जांच करने का प्रयत्न कर रहे हैं।

श्री हुकम चन्द कछवाय : अध्यक्ष महोदय, डेहरी-आन-सोन तथा गोमो के बीच में केवल दो गाड़ियां चलती हैं, एक सुबह और एक शाम को इसलिये वहां की जनता ने रेलवे प्रशासन से मांग की थी, जिसको काफ़ी अरसा हो चुका है, कि वहां पर और गाड़ियां चलाई जायं लेकिन सरकार की तरफ से यह उत्तर मया कि चूंकि यह लाइन घाटे में चल रही है इसलिये गाड़ियां नहीं चलाई जा सकती। तो मैं जानना चाहता हूं कि क्या इस लाइन पर आप गाड़ियां बढ़ायेंगे ?

दूसरे यह कि इस लाइन पर जो लोग फ्री चलते हैं उनकी चेकिंग के लिए जो टी० टी० होते हैं वे दस दस हजार रुपया रिश्वत देकर इस लाइन पर अपना एप्वाइन्टमेन्ट करवाना चाहते हैं क्योंकि यहां आकर वे बड़ी मात्रा में कमाई कर लेते है। स्टेशनों पर काफी यात्रियों को टिकट इश्यु नहीं किये जाते हैं क्योंकि अगर उनको टिकट इश्यु कर दिये जायं तो फिर उनकी कमाई नहीं हो पायेगी। इसके अतिरिक्त इस लाइन पर जो स्टेशन्स पड़ते हैं उन पर घटनायें होती रहती हैं। हर स्टेशन पर यात्रियों का सामान लूटा गया, यात्रियों के पैसे छीने गये और धौंस देकर उनको डराया गया और ऐसी अनेक रिपोर्टें कम्प्लेन्ट बुक पर हैं लेकिन उन पर कोई कार्यवाही नहीं की गई आपने कहा कि कार्यवाही कर रहे हैं लेकिन मेरी जानकारी है कि आपने कोई कार्यवाही नहीं की है। एक घटना इस प्रकार की है कि एक बार रेलवे मैजिस्ट्रेट ने पुलिस का दस्ता लेकर 60-70 आदमियों को अरेस्ट किया और बन्द किया लेकिन पुलिस वालों ने हरएक से पांच-पांच रुपये लेकर छोड़ दिया। इस लिये मैं जानना चाहता हूँ कि क्या आप इस लाइनों पर 6 महीने के लिये रेलवे मैजिस्ट्रेट नियुक्त करेंगे जिसके साथ में पुलिस का दस्ता भी रहे ताकि ऐसे लोगों को तत्काल पकड़ कर सजा दी जा सके ? क्या आप कोई ऐसी अवस्था करने जा रहे हैं ?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : माननीय सदस्य की शिकायत कि यह टिकट चेकिंग स्टाफ़ और पुलिस वाले मिल-जुल कर इस लाइन पर काम कर रहे हैं और वगैरह टिकट सफर करने वाले मुसाफिरों से पैसा वसूल कर उन्हें अपनी जेबों में डाल लेते हैं और उन्हें छोड़ दिया जाता है

अब इसके लिए मैं एक दम यह तो दावा नहीं कर सकता कि इस तरह की बेईमानी नहीं होती है लेकिन ऐसा भी नहीं मानता कि सब गड़बड़ी ही चलती है और मैं इसके लिये कुछ आंकड़े देना चाहता हूं.....

श्री शिव नारायण : आंकड़े बेकार हैं। आज रेलों में कोई सुरक्षा का इंतजाम नहीं है। आज सुबह फर्स्ट क्लास के डिब्बे में जिसमें मैं सफर कर रहा था हापुड़ में एक साहब घुस आये और झगड़ा करने लगे।

श्री कंवर लाल गुप्त : बगैर पुलिस के और बगैर इत्तिला के सामान लेकर एक बार खुद आप सफर पर जाइये तब आप को खुद पता चल जायेगा कि हालत क्या है?

श्री मधु लिमये : हारूंनल रशीद बन कर जाइये।

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : वह तो मैं जाऊंगा। माननीय सदस्य ने जो प्रश्न किया है अगर वह कहें तो में जानकारी के लिए कुछ आंकड़े दे दूं। डेहरी-ओन-सोन-गोमो सैक्शन के बीच जनवरी से मार्च 1968 तक कुल 8027 कैसेज बिना टिकट यात्रा के पकड़े गये। उन से कुल 25,451 रुपया वसूल हुआ। ऐवरेज पर डे 88 पड़ा। जबकि एक, एक दिन में 280,280 रुपये वसूल किये गये हैं। इतना होने पर भी मैं माननीय सदस्य से सहमत हूं कि इस दिशा में और प्रयत्न होना चाहिये और सतर्कता बर्त्तनी चाहिए और उन शिकायतों को दूर करने का प्रयत्न करना चाहिए लेकिन जो थोड़ा बहुत हम लोगों ने प्रयत्न किया है उसके आंकड़े यह हैं।

श्री तुलशीदास जाधव : रेलवे मंत्रालय इसकी व्यवस्था क्यों नहीं करता है कि उस जोन के बाहर के दस, बारह आदमियों को लेकर सादे कपड़ों में चेकिंग स्टाफ सरप्राइज विजिट करके मौके पर पकडे ताकि लोकल रेलवेज का टी० टी० आई० स्टाफ और पुलिस वाले मिल जाया करते हैं और वगैर टिकट यात्रियों से पैसा अपनी जेबों में डाल कर छोड़ देते हैं वह चीज रोकी जा सके?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : हमारा जो सैन्ट्रल चेकिंग स्टाफ है वह हर डिवीजन से और हर जोन से आदमी लेकर इस तरह से सरप्राइज चेकिंग किया करता हैं। कई रेलवेज में वह चेकिंग करता है और कैसेज पकड़ता हैं, लेकिन यह इतना बड़ा काम है कि जितनी जरूरत है उतना हो नहीं पाता है, लेकिन माननीय सदस्य का जो सुझाव है उसे मैं अवश्य देखूंगा और जितना भी संभव हो सकेगा उसे करूंगा।

श्री रवि राय : यह रेलवे मंत्रालय की ओर से जनता अच्छी तरह से रेलवेज में सफर करे और उस के जान व माल की सुरक्षा हो इसके लिए कोई ध्यान नहीं दिया जाता है। आपको मालूम है कि धनवाद में जो गाड़ी जलाई गई उस सिलसिले में रेलवे बोर्ड ने कहा था कि वहां पर से यह ऐलार्म चेन हटा दी जाये क्योंकि लोग उसका ग़लत इस्तेमाल कर रहे हैं। मैं जानना चाहता हूं कि क्या उनका ध्यान इस पर भी गया हैं कि बिहार सरकार के जासूसी विभाग की एक रपट निकली हैं कि धनवाद में वह जो डिब्बा जला दिया गया था उस के पीछे सैबोटैज वर्क था, यदि हां, तो क्या मंत्री महोदय इस बारे में जांच करायेंगे?

श्री रोहन लाल चतुर्वेदी : उस की कुछ इत्तिला मिली है लेकिन अभी ठीक तौर से मैं उसे बताने को तैयार नहीं हूं। उसका हम अभी पता लगा रहे हैं।

SHRI HEM BARUA : In view of the fact that *goonda* menace, particularly, in the State of Bihar and, to a certain extent, in the State of U. P. also is increasing endangering the security of the travelling public —recently, it has been reported that a passenger had to use pistol to retard *goondas* from attacking him—instead of shifting the responsibility to the State Government, may I know what steps have

the Railways taken in order to ensure security to the travelling public ?

SHRI R. L. CHATURVEDI : About this, I may just say that we are taking some useful measures. One of them is that on certain sections which are known for this ticketless travel, where people get down, generally, by pulling the chain there are 10 or 15 persons in plain clothes hiding in some bushes, etc. and, as soon as the passengers get down, they check them and arrest them and we take necessary action.

SHRI HEM BARUA : That was not my question. As soon as the passengers get down the people hiding in the bushes, etc. come out and check the passengers. That is a different thing ? What steps have you taken to ensure security to the travelling public when they are in the compartments ? That was my question.

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF RAILWAYS (SHRI PARIMAL GHOSH) : It is not a question of avoiding the issue. It is a fact that the maintenance of law and order in the Railway premises as well as in the trains is the responsibility of the State Government. Besides that, the Railways are vitally concerned with this matter and have also the protection force. They always try and do send the protection force as soon as it is requisitioned by the State Government. In such cases where these things mostly occur, we have made some special arrangements so that these kind of things may be avoided. But still it is a fact, as the hon. Member has stated, that the law and order situation in quite a number of States is such that these things are taking place and it is not possible always to avoid them. It is our endeavour to do our best to assure safe travel to all the railway passengers.

MR. SPEAKER : Shri Sheo Narain.

SHRI HEM BARUA : When the Minister says "it is not possible", is it not an encouragement to the *goondas* ?

श्री शिव नारायण : अध्यक्ष महोदय इस सारे हाउस ने डिमांड किया कि रेलवे बोर्ड को हटा दिया जाय क्योंकि रेलवे बोर्ड ही इस सारी गड़बड़ के वास्ते जिम्मेदार है । आज मैं डिमांड करता हूं कि रेलवे मिनिस्टर और रेलवे बोर्ड दोनों रिजाइन करें क्योंकि आज रेलवेज में बड़ी ही गड़बड़ी चल रही है और मुसाफिरों की सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं है । आज सवेरे फर्स्ट क्लास के डिब्बे में मैं सोया पड़ा हुआ था कि हापुड़ में एक आदमी घुस आया और झगड़ा करने लगा । आये दिन रेलवेज में लूट-मार की वारदातें होती हैं । हाल ही की बात है कि श्री दीनदयाल उपाध्याय की रेल में हत्या की गई और इसलिए हमारी डिमांड है कि इस रेलवे बोर्ड को हटाया जाय और यह खराबियां दूर की जांय लेकिन कुछ नहीं हो पा रहा है ।

SHRI TENNETI VISWANATHAM : As these incidents endangering the life of passengers are increasing, can they not provide some security officers to travel in the trains just as they have security officers to travel with the Ministers ?

MR. SPEAKER : Shri Samar Guha.

SHRI SAMAR GUHA : I would like to ask hon. Minister, Shri Parimal Ghosh that he has, perhaps, seen in West Bengal that there are thousands of rice smugglers, for the last three years, running in trains, not in the carriage, under the carriage, that is, under the iron bars, and would like to know what steps Government is taking to stop this reckless travel of these ticketless rice smugglers.

SHRI PARIMAL GHOSH: This is not a case of actual ticketless travel. This thing was prevalent, say, about a few months back. But after West Bengal has come under the President's Rule, this sort of incidents are not taking place as it was before. The situation has improved. Only a few stray incidents are taking place now-a-days, and, for that also, we are trying our best to stop that also.

SHRI SAMAR GUHA : Is it your personal experience ? Still this is going on.

SHRI PARIMAL GHOSH: This is the report we are getting everyday.